

पैन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र



वर्ष - 1 अंक - 84

शुक्रवार, अक्टूबर 09, 2026

विशाखापट्टनम

संपादक: गंट्यादा अप्पाराव

पृष्ठों. 4मूल्य. 1रु

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी से की मुलाकात इन प्रमुख मुद्दों पर हुई चर्चा



नई दिल्ली (पैन पॉवर न्यूज): आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने गोदावरी पुष्करम और दक्षिण भारत की नदियों को आपस में जोड़ने सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रधानमंत्री के सामने रखा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके 25 वर्षों के राजनीतिक सफर के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की सेवा में दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है और उनके योगदान की सराहना की। चंद्रबाबू ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री और

प्रधानमंत्री दोनों के रूप में प्रेरणादायक नेतृत्व प्रदान किया तथा अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ देश की सेवा की। चंद्रबाबू ने दूरदृष्टि, स्पष्ट लक्ष्य, दृढ़ निर्णय और प्रभावी शासन के माध्यम से भारत को वैश्विक शक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं, विकास और सुशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा को बदल दिया है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि सहकारी संघवाद की भावना के तहत राज्यों को भागीदार बनाकर प्रधानमंत्री देश को विकसित भारत की दिशा में

आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मामलों में भारत की प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता बढ़ाने में भी प्रधानमंत्री का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इस अवसर पर चंद्रबाबू ने आंध्र प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं।
नदियों को जोड़ने के प्रस्ताव
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने आंध्र प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न प्रमुख प्रोजेक्टों, राज्य की आर्थिक स्थिति, कृषि और सिंचाई से संबंधित विषयों पर प्रधानमंत्री को जानकारी दी। सिंचाई क्षेत्र के संबंध में चंद्रबाबू ने पोलावरम परियोजना की नवीनतम रिपोर्ट प्रस्तुत की और गोदावरी-कावेरी नदियों को जोड़ने से होने वाले लाभों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि गोदावरी-कावेरी नदी जोड़ने परियोजना से आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और कर्नाटक जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि एनडीए

सरकारों के कार्यकाल में देशभर में सड़क नेटवर्क और पावर ग्रिड का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि अब नदी जोड़ो परियोजना को आगे बढ़ाने से वाटर ग्रिड के निर्माण का रास्ता भी साफ होगा। चंद्रबाबू ने प्रधानमंत्री को बताया कि 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्करम के लिए आंध्र प्रदेश में व्यापक तैयारियों की जा रही हैं। उन्होंने पुष्करम के लिए शुरू की गई विकास परियोजनाओं हेतु वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रधानमंत्री से अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि गोदावरी पुष्करम में दोनों तेलुगु राज्यों के अलावा देश-विदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।
राज्य पर अल नीनो का प्रभाव
चंद्रबाबू ने प्रधानमंत्री को बताया कि आंध्र प्रदेश में अल नीनो के प्रभाव के कारण 53 प्रतिशत बारिश की कमी दर्ज की गई है, जिसका कृषि क्षेत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। उन्होंने सूखे से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के

बारे में प्रधानमंत्री को जानकारी दी। उन्होंने केंद्र के सहयोग से हाल ही में मदनपल्ले में शुरू किए गए ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब के उद्देश्यों के बारे में भी प्रधानमंत्री मोदी को बताया। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस की तर्ज पर इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर की स्थापना के लिए आधारशिला रखी गई है।
बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए अनुरोध
मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा। उन्होंने राजधानी अमरावती में प्रस्तावित आउटर रिंग रोड सहित विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी के साथ चर्चा की। उन्होंने विशाखापत्तनम मेट्रो को मंजूरी देने का भी अनुरोध किया और बीच रोड के निर्माण की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। चंद्रबाबू ने प्रधानमंत्री को स्वर्ण आंध्र-2047 विजन के बारे में भी बताया, जिसे 2047 तक राज्य में विकास के लाभ सभी लोगों तक समान रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से लागू किया जा रहा है।

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का निधन

मुंबई: बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और फिल्म निर्माता नाना पाटेकर (75) का निधन हो गया। बताया जा रहा है कि गोवा के दोनापाउला स्थित अपने आवास पर वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। परिवार के सदस्यों और करीबी लोगों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने करीब 45 मिनट तक सीपीआर देकर उन्हें बचाने की कोशिश की। हालांकि, उपचार का उन पर कोई असर नहीं हुआ और सुबह 5:20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उनकी मृत्यु हृदयाघात के कारण हुई। उनके निधन से हिंदी और मराठी फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। कई फिल्मी हस्तियों और प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।



राजनीति और 'द वैकसीन वॉर' उनकी प्रमुख फिल्मों में शामिल हैं। उन्होंने रजनीकांत की फिल्म 'काला' में भी अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, अभिनेता के रूप में उन्हें विशेष पहचान 'क्रांतिवीर' और 'नटसम्राट' जैसी फिल्मों से मिली। फिल्म 'क्रांतिवीर' में उनके शानदार अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने 70 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और हिंदी, मराठी सहित विभिन्न भाषाओं के सिनेमा के दर्शकों के बीच लोकप्रिय रहे। अभिनय के अलावा नाना पाटेकर

ने निर्देशन और लेखन के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। भारत सरकार ने वर्ष 2013 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। नाना पाटेकर का जुड़ाव राष्ट्रीय सेवा से भी रहा। उन्हें प्रादेशिक सेना में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल का पद प्राप्त था। फिल्मी करियर के अलावा उन्होंने किसानों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए सामाजिक संगठन 'नाम फाउंडेशन' की स्थापना की थी। इस संस्था के माध्यम से वह किसानों और उनके परिवारों की सहायता के लिए काम करते रहे।

नेतृत्व के रवैये से नाराज होकर नेता छोड़ रहे वाईएसआरसीपी: विधायक घंटा

विशाखापत्तनम, 8 अक्टूबर: भीमिली के विधायक और पूर्व मंत्री घंटा श्रीनिवास राव ने कहा कि चुनाव जब भी होंगे, नतीजे एकतरफा होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन की जीत तय है। गुरुवार को भीमिली विधानसभा क्षेत्र के आनंदपुरम मंडल के शॉट्ट्याम गांव के करीब 200 परिवारों ने वाईएसआरसीपी छोड़कर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में शामिल हो गए। विधायक घंटा ने उन्हें पार्टी का दुपट्टा पहनाकर टीडीपी में स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को देखकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी के नेतृत्व के रवैये और कार्यशैली से असंतुष्ट होकर लोग पार्टी छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये दल-बदल केवल शुरुआत है और भविष्य में और भी बड़ी संख्या में लोग



पार्टी में शामिल होंगे। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने पहले ही कहा था कि वाईएसआरसीपी खाली हो जाएगी। घंटा ने कहा कि उनकी पार्टी के सभी कैंडिडेट और नेता स्थानीय निकाय चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भीमिली हैदराबाद के गाचीबोवली की तर्ज पर विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि यहां गूगल का डेटा सेंटर स्थापित होने जा रहा है। साथ ही कई आईटी कंपनियां यहां आ चुकी हैं और कई अन्य आने वाली हैं।

वाईएसआरसीपी में इस्तीफों और पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी है। उत्तर आंध्र से लेकर रायलसीमा के अनंतपुर तक पार्टी छोड़ने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में भीमिली विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों परिवार वाईएसआरसीपी से दूर हो गए। वहीं, विजयनगरम जिले में भी पार्टी लगभग खाली हो चुकी है। आने वाले कुछ दिनों में स्थानीय निकाय चुनावों का ऐलान होने की संभावना है। ऐसे में इन चुनावों में गठबंधन के दबदबे की चर्चा जोर पकड़ रही है।

मंत्री लोकेश के प्रजादरबार में उमड़ी शिकायतें

(पैन पॉवर न्यूज): अमरावती: आंध्र प्रदेश के आईटी एवं शिक्षा मंत्री नारा लोकेश ने मंगलगिरि स्थित तेलुगु देशम पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रजादरबार आयोजित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों, कर्मचारियों और टीडीपी कार्यकर्ताओं ने पहुंचकर अपनी समस्याएं उनके सामने रखीं। विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याओं को लोकेश ने धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने शिकायतें प्राप्त करने के बाद स्वयं उनका जायजा लिया और आवेदकों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास किए जाएंगे। प्रजादरबार में मुख्य रूप से रोजगार, शिक्षा, कल्याण और ग्रामीण बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई समस्याएं मंत्री लोकेश के सामने रखी गईं। वेलफेयर एंड एजुकेशन

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कल्याण एवं शिक्षा सहायकों को पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पदोन्नति चैनल स्थापित करने का भी अनुरोध किया। इसी तरह, बंजारा धर्म रक्षा समिति के प्रतिनिधियों ने बंजारा तांडों के मंदिरों में सेवा दे रहे पुजारियों को हर महीने 45,000 मानदेय देने की मांग की। उन्होंने धूप, दीप और नैवेद्यम योजना लागू करने का भी अनुरोध किया। कई लोगों ने गोपाल मित्रों को नौकरी की सुझाव देने के साथ-साथ उनका मानदेय बढ़ाने की मांग की। उन्होंने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए मंत्री लोकेश को ज्ञापन सौंपे। दूसरी ओर, चित्तूर जिले के चौकटिपल्ले गांव के लोगों ने गांव में सीसी सड़क बनाने और



श्मशान घाट तक बीटी सड़क का निर्माण करने की मांग की। उन्होंने बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया। जनता से प्राप्त प्रत्येक शिकायत

की समीक्षा करने के बाद लोकेश ने भरोसा दिलाया कि संबंधित अधिकारियों से बात कर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रजादरबार का

उद्देश्य जनता की समस्याओं को सीधे जानना और उनका समाधान करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राप्त आवेदनों पर जल्द से जल्द कार्रवाई करने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

आंध्र प्रदेश में निवेश के लक्ष्य हासिल करेंगे, समझौतों को हकीकत में बदलेंगे: मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

“नई दिल्ली, 8 अक्टूबर:” मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने दिल्ली में आयोजित भारतीय उद्योग परिषद के साझेदारी सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ इस सम्मेलन में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश को केंद्र सरकार से मिल रहे सहयोग का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने उद्योगपतियों से कहा कि सरकार समझौता ज्ञापनों को वास्तविक निवेश में बदलने पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाएं जल्द शुरू की जाएंगी और राज्य 'निर्माण आंध्र प्रदेश' के नारे के साथ आगे बढ़ रहा है।
रुरु प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका असाधारण

मुख्यमंत्री ने 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में सक्रिय रहने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश में डिजिटल बुनियादी ढांचे के विकास में प्रधानमंत्री मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि भारत के पास दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है और रेलवे नेटवर्क के क्षेत्र में भी देश ने महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया है। चंद्रबाबू ने कहा कि प्रधानमंत्री बंदरगाहों, हवाई अड्डों, रेलवे और सड़क नेटवर्क से युक्त एक मजबूत देश का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भारत को अधिक सुरक्षित और शक्ति बनाने में प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका की भी सराहना की।
‘निर्माण आंध्र प्रदेश’ के

नारे के साथ काम
चंद्रबाबू ने कहा कि तकनीक को तेजी से अपनाने वाले भारतीय दुनिया भर में विभिन्न कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश को सहयोग देने के मामले में केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी हमेशा आगे रहे हैं। उन्होंने बताया कि पोलावरम परियोजना और अमरावती राजधानी परियोजना सहित विभिन्न क्षेत्रों में अर्धचालक इकाइयां स्थापित करने के लिए केंद्र ने मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि राज्य 'निर्माण आंध्र प्रदेश' के नारे के साथ

काम कर रहा है। बड़े पैमाने पर संपत्ति का सृजन करना और रोजगार के अवसर पैदा करना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित साझेदारी सम्मेलन में 13.50 लाख करोड़ रुपये के समझौते हुए थे और पिछले 28 महीनों के दौरान 22 लाख करोड़ रुपये के निवेश हासिल किए जा चुके हैं। चंद्रबाबू ने कहा कि सरकार केवल समझौता ज्ञापनों तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें वास्तविक निवेश में बदलने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।
नदियों को जोड़ने से पानी की कमी नहीं होगी
मुख्यमंत्री ने कहा कि एक गीगावाट क्षमता वाला आंकड़ा केंद्र स्थापित करने वाली गूगल

और आर्सेलरमिंटल जैसी प्रमुख कंपनियां आंध्र प्रदेश आई हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष घोषित औद्योगिक प्रोत्साहन योजनाएं 12 और 13 नवंबर को शुरू की जाएंगी। उन्होंने कहा कि निवेश में बाधा बन रहे गैर-कृषि भूमि रूपांतरण अधिनियम को रद्द कर दिया गया है। चंद्रबाबू ने कहा कि यदि गोदावरी, कृष्णा, पेन्नार, तुंगभद्रा और कावेरी नदियों को आपस में जोड़ दिया जाए, तो आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में पानी की कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने रायलसीमा को वैश्विक बागवानी केंद्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। साथ ही, आंध्र प्रदेश को दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश

द्वार बनाना सरकार का उद्देश्य है। चंद्रबाबू ने बताया कि मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड दुर्गाराजपट्टनम में जहाज निर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए आगे आया है। उन्होंने कहा कि गोवा शिपयार्ड ने मछलीपट्टनम में जहाज निर्माण केंद्र स्थापित करने पर सहमति जताई है। तिरुपति, लेपाक्षी और कोप्पर्थी में ड्रोन तथा इलेक्ट्रॉनिक्स समूह भी स्थापित किए गए हैं।
परियोजनाओं को लागू करने के लिए आंध्र प्रदेश तैयार
चंद्रबाबू ने बताया कि रक्षा मंत्रालय ने रायलसीमा में पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान की परियोजना भी शुरू की है। उन्होंने कहा कि 500 गीगावाट



के लक्ष्य के तहत 110 गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पादन के लिए पहले ही समझौते किए जा चुके हैं। साथ ही, हरित ऊर्जा पारेषण गलियारा स्थापित करने पर

विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की प्रगति में सहायक किसी भी नीति को तत्काल लागू करने के लिए आंध्र प्रदेश तैयार है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया के सामने एक और अग्निपरीक्षा

पहले से ही कई संकटों से जूझ रहे पश्चिम एशिया के सामने अब एक और गंभीर खतरा मंडरा रहा है। यमन और सऊदी अरब, दोनों के खिलाफ हूतियों के हमले तेज होने से पश्चिम एशिया की स्थिति और जटिल हो गई है। हूतियों को नियंत्रित करने के लिए सऊदी अरब सैन्य कार्रवाई तेज कर रहा है, वहीं पाकिस्तान और तुर्किये रियाद के समर्थन में खड़े होने की तैयारी कर रहे हैं। अगस्त में हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते के तहत तीनों देशों का सामूहिक रक्षा उपायों को लागू करने का निर्णय इस घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। इस समझौते का उद्देश्य यह है कि किसी एक सदस्य देश पर हमला बाकी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा और सभी मिलकर उसका जवाब देंगे। हूतियों के ताजा हमलों के बीच रियाद में तीनों देशों के रक्षा और विदेश मामलों के वरिष्ठ अधिकारियों की आपात बैठक हुई, जिसमें समझौते को अमल में लाने का फैसला किया गया। साथ ही आवश्यक सैन्य क्षमताओं को जल्द से जल्द सऊदी अरब पहुंचाने पर भी सहमति बनी।

हालांकि, सैनिकों की संख्या और उनकी सटीक भूमिका का खुलासा नहीं किया गया है। पाकिस्तान पहले से ही सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए अपने सैनिकों का इस्तेमाल कर रहा है, जबकि तुर्किये के मामले में संसद की मंजूरी जैसे मुद्दे अभी महत्वपूर्ण बने हुए हैं। अब तक सऊदी अरब और हूतियों के बीच संघर्ष को मुख्य रूप से यमन के गृहयुद्ध के विस्तार के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन बाव—अल—मंदेब जलडमरूमध्य पर हूतियों की बढ़ती पकड़, लाल सागर में जहाजरानी के लिए बढ़ता खतरा और सऊदी तेल ढांचे पर हमलों की आशंका ने इसे अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बना दिया है। वैश्विक व्यापार और तेल परिवहन के लिए बेहद महत्वपूर्ण इस मार्ग पर आवागमन खतरनाक हुआ तो इसका असर पश्चिम एशिया से आगे बढ़कर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। सऊदी अरब पहले ही हूतियों के खिलाफ बड़े जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है।

रियाद की रणनीति दिखाई देती है कि यमन की सरकार समर्थक सेनाओं को अग्रिम मोर्चे पर रखकर अपने वायुसेना के समर्थन से जमीनी हमले किए जाएं। पाकिस्तान और तुर्किये भी इस प्रयास में रक्षा, खुफिया और तकनीकी सहयोग देने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, वे प्रत्यक्ष युद्ध में कितनी भागीदारी करेंगे, यही सबसे बड़ा सवाल है। हूतियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है, यह किसी से छिपा नहीं है। ऐसे समय में जब ईरान और अमेरिका के संबंध पहले से तनावपूर्ण हैं, यदि यमन एक और युद्धक्षेत्र बनता है तो पश्चिम एशिया की स्थिति बहुआयामी संघर्ष का रूप ले सकती है। सऊदी अरब का लक्ष्य भले ही हूतियों की क्षमता को सीमित करना हो, लेकिन जवाब में हूती सऊदी तेल क्षेत्रों, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और समुद्री मार्गों को निशाना बना सकते हैं। इस संकट में अमेरिका का रुख सबसे दिलचस्प पहलू है। ट्रंप प्रशासन अब तक सऊदी अरब को खुफिया जानकारी और लक्ष्य निर्धारण संबंधी सूचनाओं जैसी सहायता दे रहा है, लेकिन हूतियों के खिलाफ सीधे हवाई हमले करने से बच रहा है। अमेरिकी सूत्रों के अनुसार, सऊदी अरब द्वारा मांगी गई प्रत्यक्ष सैन्य सहायता को फिलहाल अमेरिका ने ठुकरा दिया है। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है कि अमेरिका किसी और युद्ध में उलझने के लिए तैयार नहीं है। वाशिंगटन को एक ओर सऊदी अरब की सुरक्षा, दूसरी ओर ईरान के साथ तनाव और तीसरी ओर लाल सागर में समुद्री यातायात की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना होगा। हालांकि, यदि हूतियों के हमले अंतरराष्ट्रीय व्यापार या अमेरिकी सहयोगी देशों के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए गंभीर खतरा बनते हैं, तो अमेरिका के सीधे हस्तक्षेप की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। ताजा घटनाक्रम स्पष्ट करते हैं कि मक्का समझौता केवल कागजों तक सीमित रक्षा व्यवस्था नहीं है। फिर भी, क्या यह एक पूर्ण सैन्य गठबंधन का रूप लेगा, यह तीनों देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति और खासकर तुर्किये की संसद के फैसले पर निर्भर करेगा। मौजूदा जरूरत युद्ध को बढ़ाना नहीं, बल्कि उसे नियंत्रण में लाना है। हूतियों के हमले, सऊदी अरब के जवाबी हमले, ईरान की भूमिका और मक्का गठबंधन का सैन्यीकरणकृयदि ये सभी मिलकर क्षेत्रीय युद्ध को जन्म देते हैं, तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा। तेल की कीमतों से लेकर समुद्री यातायात तक, वैश्विक व्यापार से लेकर सुरक्षा तक, इसके झटके सभी देशों तक पहुंचेंगे। इसलिए जरूरी है कि मक्का समझौता सामूहिक युद्ध का मंच बनने के बजाय कूटनीतिक समाधान का रास्ता दिखाने वाला माध्यम बने।

‘ईसी’ के लिए यह परीक्षा की घड़ी है!

प्रतिष्ठित भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की विश्वसनीयता अब गंभीर परीक्षा के दौर से गुजर रही है। इस उच्च संवैधानिक संस्था के कामकाज को लेकर अभूतपूर्व रूप से संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। लोकतंत्र की सांस मानी जाने वाली चुनावी व्यवस्था में मतदाता सबसे महत्वपूर्ण है। मतदाता सूचियों के प्रक्रिया गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया करीब एक साल से विवादों में है, क्योंकि इसके तहत असाधारण संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप हैं। एक प्रमुख आरोप यह है कि इस स्थिति के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार जिम्मेदार हैं और वे केंद्र सरकार के प्रभाव में ईसीआई को कथित तौर पर एकतरफा, असंवैधानिक और कानून—विरोध ि तरीके से चला रहे हैं। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस मुद्दे पर देश की सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टियाँ ने अलग—अलग रुख अपनाया है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में ईसीआई और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किए हैं। क्या ईसीआई की विश्वसनीयता इस परीक्षा में कायम रहेगी? यदि कोई गलती या अनियमितता साबित होती है, तो क्या सीईसी पद छोड़ेंगे? क्या सुप्रीम कोर्ट उन्हें हटाएगा? आगे क्या होगा? इन सभी सवालों के जवाब अभी बाकी हैं।

छोटी—मोटी प्रशासनिक कमियों को छोड़ दे तो भारतीय निर्वाचन आयोग ने दशकों से देश की जनता का विश्वास हासिल किया है। दुनियाभर में भी इस संस्था की मजबूत प्रतिष्ठा रही है। इसकी छवि ऐसी स्वतंत्र और सशक्त संवैधानिक संस्था की रही है, जो सरकारों के आने—जाने और राजनीतिक दलों के उतार—चढ़ाव से अप्रभावित रहते हुए तथा चुनाव परिणामों से कोई सरोकार रखे बिना निष्पक्षता से अपना दायित्व निभाती है। करीब एक अरब मतदाताओं का पंजीकरण करने और उन्हें स्वतंत्र रूप से अपने

मताधिकार का इस्तेमाल करने का अवसर देते हुए चुनाव प्रक्रिया संचालित करने की क्षमता ईसीआई ने कैसे हासिल की? देशभर में अपना अलग प्रशासनिक तंत्र नहीं होने के बावजूद ईसीआई विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के अधीन काम करने वाली सरकारी मशीनरी के सहयोग से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करता है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत ईसीआई को दिए गए व्यापक अधिकारों की इसमें असाधारण भूमिका रही है। 1990 के दशक में टी.एन. शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के बाद आम लोगों को भी निर्वाचन आयोग की शक्ति और भूमिका का व्यापक रूप से पता चला। शेषन ने मतदाताओं को प्रलोभन से दूर रखते हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए उपलब्ध शक्तियों और अधिकारों का अधिकतम इस्तेमाल किया और एक नया चुनावी माहौल बनाया। प्रलोभन पर रोक, चुनाव प्रचार के तौर—तरीकों को नियंत्रित करना, चुनावों में धन और शराब के इस्तेमाल पर अंकुश तथा आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों के प्रभाव को सीमित करने जैसे कई क्षेत्रों में चुनाव सुधारों के पहले चरण को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। हालांकि, आगे और बदलावों के लिए चुनाव सुधारों के दूसरे चरण की आवश्यकता भी स्पष्ट होती गई। ऐसे समय में 2023 में चुनाव कानूनों में संशोधन, ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति,एसआईआर प्रक्रिया का विवादों में आना, केंद्र की भाजपा सरकार के कथित संरक्षण में ‘वोट चोरी’ के आरोप और देशभर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने जैसे मुद्दे सामने आए। एक मीडिया जांच रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि ईसीआई में केवल आम सहमति ही नहीं, बल्कि बहुमत की राय को भी महत्व नहीं दिया जा रहा और सीईसी एकतरफा फैसले देश पर थोप रहे हैं। इस रिपोर्ट ने काफी हलचल पैदा की। इसके बाद पैदा हुए

हालात ही सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग का कारण बने। एक पुराना मजाक याद आता है। स्कूल निरीक्षण अधिकारी पूछता हैकृ’शिव का धनुष किसने तोड़ा?” बच्चे, शिक्षक और अंत में प्रधानाध्यापक तक यही कहते हैंकृ”मैंने नहीं तोड़ा।” नए मतदाताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया में चुनाव कानून के नियम 1960 के तहत फॉर्म—6 एक महत्वपूर्ण मूल आवेदन पत्र है। इसके माध्यम से वयस्क नागरिक आसानी से अपना नाम मतदाता के रूप में दर्ज करा सकते हैं। आरोप है कि इसमें बदलाव करके एक घोषणा—पत्र जोड़ा गया और प्रक्रिया को जटिल बना दिया गया, जिससे मतदाताओं के नाम हटाए जाने का रास्ता आसान हुआ। आलोचकों का कहना है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में लाखों पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने के कारणों में यह भी एक था। यह भी आरोप लगाया गया कि फॉर्म—6 में ये बदलाव ईसीआई में आम सहमति से नहीं किए गए और दो निर्वाचन आयुक्तों के विरोध के बावजूद सीईसी ने एकतरफा फैसला लिया। विपक्ष ने इसी आधार पर आरोप लगाया कि सीईसी के माध्यम से ईसीआई को अपने नियंत्रण में लेकर केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर ‘वोट चोरी’ की। संविधान निर्माताओं की भावना के अनुसार, किसी पात्र नागरिक का लापरवाही या चूक के कारण मतदाता सूची में नाम दर्ज न होना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध है। यदि इस सोच के आधार पर कि कोई व्यक्ति किसी विशेष दल को पद नहीं देगा, करोड़ों नाम जानबूझकर हटाए जाएं, तो यह गंभीर लोकतांत्रिक चिंता का विषय होगा। निर्वाचन आयोग ने हाल में बयान जारी कर कहा, “हमने फॉर्म—6 में कोई बदलाव नहीं किया है, बल्कि केवल एक स्व—घोषणा जोड़ी है। वह भी सिर्फ उन स्थानों पर जहां एसआईआर प्रक्रिया लागू है और यह भी ईसीआई की सहमति से किया

गया है।” आयोग ने यह भी कहा कि फॉर्म—6 में घोषणा जोड़ने के बदलाव को सुप्रीम कोर्ट पहले ही मंजूरी दे चुका है। इस बयान से पहले एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्म—8 में बदलाव को लेकर ईसीआई और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किए थे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि फॉर्म—6 में बदलाव से उसका कोई संबंध नहीं है। अब मामला अदालत के समक्ष है। संसद में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान शुरू किया है और अन्य दलों से 1 नवंबर को होने वाले राष्ट्रव्यापी आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है। सीईसी ने जनता का विश्वास खो दिया है और उन्हें तत्काल पद छोड़ देना चाहिएकृ ऐसी मांग देश के कई बुद्धिजीवियों और नागरिक संगठनों की ओर से भी उठ रही है, जिससे आंदोलन को बल मिल रहा है। मतदाताओं के नाम हटाने के मामले में ईसीआई की कथित भूमिका को असंवैधानिक और गैरकानूनी बताने वाले विपक्ष के आरोपों के समर्थन में कुछ आंकड़े भी पेश किए जा रहे हैं। पहले मतदाता सूची के किसी भी पुनरीक्षण में नाम जोड़ने या हटाने का अधिकार स्थानीय स्तर पर तैनात निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी’ (ईआरओ) के पास होता था। लेकिन सीईसी ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में, आलोचकों का आरोप है कि यह अधिकार केंद्रीकृत होकर, ईसीआई के दायरे में आ गया। ऐसे भी मामले सामने आने की बात कही गई है, जहां ईआरओ को न्यूनतम जानकारी दिए बिना उनके इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर के जरिए बड़ी संख्या में नाम हटा दिए गए और अधिकारी स्वयं इससे हैरान रह गए। आरोप है कि यह पूरी प्रक्रिया दिल्ली में बैठे ईसीआई की निगरानी में ‘ईसीआई—नेट’ ऐप के माध्यम से हुई। इस मामले में भी आम सहमति नहीं होने और केंद्र सरकार की इच्छा के अनुरूप



एकतरफा निर्णय थोपे जाने का विपक्ष आरोप लगा रहा है। पश्चिम बंगाल का उदाहरण इस कथित कार्रवाई के परिणामों को स्पष्ट करता है। चुनाव से ठीक पहले करीब 90 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए और सुधार के बाद भी 60 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम हट गए। मतदान से पहले सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बावजूद उन्हें राहत नहीं मिली। करीब 38.31 लाख लोग ट्रिब्यूनल के पास पहुंचे। इनमें से अब तक केवल 1.26 लाख यानी लगभग 3 प्रतिशत मामलों का निपटारा हुआ है। इनमें 93 प्रतिशत लोग पात्र मतदाता पाए गए, जिनसे हालिया चुनावों में उनका मताधिाकार छिन गया था। हाई कोर्ट ने कथित तौर पर कहा कि यदि ट्रिब्यूनल इसी गति से मामलों की सुनवाई करते रहे तो सभी मामलों के निपटारे में 21 वर्ष लग जाएंगे। इसका अर्थ है कि हाल में मंगलवार को हुए रेजीनगर और नंदीग्राम उपचुनावों में शिकायतकर्ताओं में शामिल करीब 19,000 मतदाता एक बार फिर अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। आम मतदाता का सवाल हैकृयह कैसा न्याय है?

नाना पाटेकर जैसे कलाकार जन्मजात नायक होते हैं, भले ही वे चरित्र अभिनेता के रूप में दिखाई दें। चरित्र अभिनेता का यह रूप उन्हें अलग—अलग भूमिकाओं में ढलने, अपने अभिनय में लचीलापन बनाए रखने और कभी—कभी बिना किसी शोर—शराबे के पर्दे पर प्रभाव छोड़ने की स्वतंत्रता देता है। वे एक भूमिका से दूसरी भूमिका में सहजता से उतर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर सुखियों से दूर भी रह सकते हैं। नाना ने अपने करियर में कई बार ऐसा किया। संजय लीला भंसाली की खामोशी: द म्यूजिकल (1996) में उन्होंने सुनने और बोलने में असमर्थ पिता जोसेफ ब्रागांजा की भूमिका निभाई। वहां उनकी आंखें अभिनय करती थीं, जबकि उनकी आवाज को अभिव्यक्ति का माध्यम बनने का अवसर नहीं था। शमित अमीन की अब तक छप्पन (2004) में उन्होंने मुठभेड़ विशेषज्ञ साधु आगाशे के किरदार में पुलिस अधिकारी दया नायक की सहजता और जिद्दी स्वभाव को जीवंत किया। वहीं प्रकाश झा की राजनीति (2010) में वह अपने भतीजों पृथ्वीराज और सभर को सलाह देते हुए शांत और संयमित नजर आए। इस भूमिका में वह उस आक्रामकता से बिल्कुल अलग थे, जो अक्सर उनके हिस्से आती थी। उनकी उम्र के इस पड़ाव की उदासी को शायद ही किसी

बेबाकी का तीरवा, लंबे समय तक रहने वाला असर



फिल्म ने नटसम्राट (2016) जितनी गहराई से व्यक्त किया हो। महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म मराठी नाटक पर आधारित थी। इसमें नाना ने रंगमंच के अभिनेता गणपत बेलवलकर की भूमिका निभाई, जो अपनी संपत्ति अपने दोनों बच्चों में बांट देते हैं। लेकिन बच्चों की कृतघ्नता उन्हें और उनकी पत्नी को बेघर और पुरी तरह टूट जाने पर मजबूर कर देती है। हैमलेट में राजकुमार कहता है: “मनुष्य कैसे अद्भुत रचना है! विचारों में कितना उदात्त, क्षमताओं में कितना असीम, रूप और गति में कितना सुंदर और प्रशंसनीय।” लेकिन वह आगे यह सवाल भी उठाता है कि उसके लिए मनुष्य आखिर क्या हैकृ’धूल का यह सारतत्त्व?” नाना पाटेकर को देखकर लगता है कि वह जीवन के हर पल को पूरी शिष्ट से जीते हुए भी मृत्यु के बारे में लगातार विचार

करते रहे। उनका जीवन और उनका अभिनय, दोनों इस चिंतन को प्रतिबिंबित करते हैं। अनिल मद्हु की फिल्म यशवंत (1997) में आम आदमी के जीवन पर उनका एकालाप इसका उदाहरण है। उनके किरदार इंस्पेक्टर यशवंत लोहार के शब्द हैं: “सुबह घर से निकलो, भीड़ का एक हिस्सा बन जाओ। शाम को घर लौटो, शराब पियो और बच्चे पैदा करो। फिर सुबह उठो और एक बार फिर मरने के लिए तैयार हो जाओ।” कुछ दिन पहले मृत्यु को लेकर नाना पाटेकर को अपनी टिप्पणियों ने उनके जीवन के इस पहलू को और गहरा कर दिया। ऐसा लगता है मानो एक युग अपने समापन की ओर बढ़ रहा हो। एक ऐसा जीवन, जिसे पूरी तरह जिया गया। उपलब्धियों से भरा, गलतियों से भी अछूता नहीं, लेकिन हर माघने में एक संपूर्ण जीवन।

एयर इंडिया विदेश यात्रा के लिए यात्रियों को देगी ‘ट्रैवल सिम कार्ड’

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया विदेश यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को ‘ट्रैवल सिम कार्ड’ देगी।

एयर इंडिया के ब्रांड वाला ट्रैवल सिम कार्ड ‘इंजीरोम’ टाटा कम्युनिकेशंस के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। इस पर अंतरराष्ट्रीय रोमिंग सेवाएं उपलब्ध होंगी। विमानन कंपनी ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह अतिरिक्त उत्पाद एयर इंडिया के ब्रांड वाले एक समर्पित वेबपेज पर भौतिक सिम कार्ड के साथ-साथ ई-सिम के रूप में खरीद के लिए उपलब्ध होगा।इस सिम कार्ड के जरिये यात्री अंतरराष्ट्रीय यात्रा के दौरान मौखिक एवं डेटा सेवाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। एयर इंडिया और टाटा कम्युनिकेशंस दोनों टाटा समूह का हिस्सा हैं। विज्ञप्ति के अनुसार शुरुआत में सिम कार्ड मुफ्त दिया जाएगा, जबकि रोमिंग पैक के लिए शुल्क देना होगा। यह उत्तर अमेरिका, यूरोप (ब्रिटेन समेत), ऑस्ट्रेलिया, एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया के 30 देशों में उपलब्ध होगा।

दिवाली से पहले 100 रुपए किलो तक पहुंच सकते हैं चावल के दाम

तमिलनाडु में कुछ हफ्तों में 20-40 रुपए प्रति किलो का उछाल

नई दिल्ली ।

देश में महंगाई का सिलसिला थम नहीं रहा। प्याज, चीनी और एलपीजी के बाद अब दिवाली से ठीक पहले चावल के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। खासकर तमिलनाडु में, जहां पिछले कुछ हफ्तों में चावल 20 से 40 रुपये प्रति किलो तक महंगा हो चुका है, अब प्रीमियम किस्में 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने की आशंका है।

इससे आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। कारोबारियों के मुताबिक दिवाली से पहले बासमती चावल 85 से 100 रुपये, पोली और सोना मसुरी जैसी प्रीमियम किस्में 48-65 रुपये से बढ़कर 85-100 रुपये में बिक सकती है। वहीं, सामान्य चावल भी 40 रुपये से 45-55 रुपये प्रति किलो के बीच हो सकता है। 25-30 किलो के चावल बैग की कीमतों में भी 300 से 600 रुपये तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कीमतों में इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह धान की कम आपूर्ति है। तमिलनाडु जैसे राज्य पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक पर निर्भर हैं, जहां धान का उत्पादन और आकव घटी है। दिवाली जैसे त्योहारों के कारण बढ़ी मांग, इथेनॉल उत्पादन में चावल का उपयोग और अफ्रीकी देशों से टूटे चावल की मजबूत निर्यात मांग ने भी घरेलू कीमतों को हवा दी है। इन कारणों से मिलां में स्टॉक कम हुआ और धान महंगा हो गया, जिसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

महाराष्ट्र में अब इलेक्ट्रिक होंगी बाइक टैक्सी, 9 महीने का अल्टीमेटम

- प्रदूषण नियंत्रण और ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकार का बड़ा निर्देश

नई दिल्ली ।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में संचालित सभी बाइक टैक्सी कंपनियों, जैसे ओला, उबर और रैपिडो, को एक बड़ा निर्देश दिया है।

उन्हें अगले 9 महीनों के भीतर अपने पूरे बेड़े को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना होगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशों के बाद महाराष्ट्र परिवहन विभाग ने आरटीओ और कंपनियों को इस नियम को लागू करने के लिए कहा है। यह कदम राज्य में प्रदूषण कम करने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है।

इस नियम के तहत वर्तमान में पेट्रोल से चलने वाली बाइक का उपयोग कर रही कंपनियों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर शिफ्ट होने के लिए 6 महीने का समय मिलेगा। हालांकि, जिन ऑपरेटरों ने महाराष्ट्र बाइक टैक्सी नियम 2025 के तहत प्रोविजनल लाइसेंस के लिए पहले ही आवेदन किया हुआ है, उन्हें 3 महीने का अतिरिक्त समय यानी कुल 9 महीने की मोहलत मिलेगी। सरकार का मुख्य उद्देश्य तेजी से बढ़ती बाइक टैक्सियों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना है।

यद्यपि शुरुआत में इलेक्ट्रिक बाइक खरीदने और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश के कारण बुकिंग महंगी हो सकती है, लेकिन लंबी अवधि में कम परिचालन लागत से यात्रियों को सस्ता किराया और सबसे महत्वपूर्ण, प्रदूषण-मुक्त यात्रा का लाभ मिलेगा। यह निर्णय राज्य में हरित और स्वच्छ परिवहन प्रणाली को बढ़ावा देगा।

डीओटी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस का स्पेक्ट्रम किया रद्द

कंपनी ने बकाया भुगतान और अनिवार्य शर्तों का नहीं किया था पालन

नई दिल्ली ।

अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उसकी सहायक कंपनी रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) को दूरसंचार विभाग (डीओटी) से एक बड़ा झटका लगा है। डीओटी ने उन्हें आवंटित स्पेक्ट्रम को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद आरकॉम अब इन स्पेक्ट्रम का उपयोग करके टेलीकॉम सेवाएं नहीं चला पाएगी, जिससे कंपनी के भविष्य पर गहरा असर पड़ेगा। डीओटी ने आरकॉम को 5 अक्टूबर, 2026 को पत्र भेजकर 2010 से 2016 के

बीच हुई विभिन्न स्पेक्ट्रम नीलामियों के तहत दिए गए स्पेक्ट्रम को खत्म करने की जानकारी दी। विभाग के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस ने स्पेक्ट्रम से जुड़ी अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं किया, जिनमें नेटवर्क शुरू करने की रोलआउट शर्त और स्पेक्ट्रम के लिए तय भुगतान शामिल हैं। कंपनी ने स्पेक्ट्रम की किस्तों, स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज (एसयूसी) और अन्य बकाया रकम का भुगतान नहीं किया था, खासकर 2010 की नीलामी के स्पेक्ट्रम के मामले में रोलआउट की शर्त भी पूरी नहीं की गई थी। अपनी सफाई में, आरकॉम ने

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 1045, निफ्टी 371 अंक गिरा

निवेशकों के 10 लाख करोड़ डूबे मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस प्रकार से लगातार दूसरा दिन है जब बाजार नीचे आया है।

बाजार में आई इस गिरावट का कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हवाी रहना बताया गया है। इससे निवेशकों को करीब 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। मार्केट में जारी बिकवाली से शेयरों के दाम तेजी से गिरे जिससे निवेशकों ने निकासी पर जोर दिया। , दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,045.46 अंक गिरकर

71,593.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 के स्तर पर पहुंच गया। गुरुवार को निफ्टी में सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में अदाणी इंटरप्राइजेज, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर, आईटीसी और इंटरग्लोब एविएशन शामिल रहे, जबकि इंफोसिस, एक्सिस बैंक और एचसीएल टेक जैसे कुछ शेयरों में ही हल्की बढ़त देखी गई। बाजार में चारों ओर गिरावट का माहौल था, जिसमें ऑटो, एनर्जी, एफएमसीजी, इंफा, मीडिया, मेटल, ऑयल एंड गैस, फार्मा और रियल्टी सेक्टर जैसे सभी प्रमुख सेक्टर इंडेक्स 2 से 3 फीसदी तक गिरकर बंद हुए। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप



इंडेक्स में भी प्रत्येक में 2 फीसदी से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार में इस बड़ी गिरावट का सबसे प्रमुख कारण कच्चे तेल की कीमतों में आया उछल है। इसके अलावा अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड बढ़कर 5.35 फीसदी हो गई है, जिससे डॉलर मजबूत हुआ है और उभरते बाजारों से पूंजी की निकासी तेज हुई है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो

रेट में 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी से इक्रिटी बाजार के वैल्यूएशन पर दबाव बढ़ा, जिसका असर बाजार पर साफ दिखा। इतना ही नहीं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड का 5.3 फीसदी से ऊपर बने रहना भी बड़े शेयरों पर दबाव बनाए रख सकता है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

म्युचुअल फंड बाजार में निवेशकों के लिए जल्द आ सकती हैं चार नई स्कीमें

- फंड हाउसों ने स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंपे

नई दिल्ली ।

लॉन्ग टर्म निवेश की तलाश कर रहे निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड बाजार से अच्छी खबर है। जल्द ही चार नई म्युचुअल फंड योजनाएं बाजार में दस्तक दे सकती हैं। विभिन्न फंड हाउसों ने इन स्कीम्स के ड्राफ्ट बाजार नियामक सेबी को सौंप दिए हैं, जिनकी मंजूरी का इंतजार है। ये स्कीम्स निवेशकों को लार्ज-मिड कैप इक्रिटी, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और एसेट एलोकेंटर जैसे विविध क्षेत्रों में निवेश का मौका देंगी। इन प्रस्तावित योजनाओं में चौंस लार्ज एंड मिड कैप फंड, मोतीलाल ओसवाल पीएसयू बैंक इटीएफ को स्टॉक की तरह एक्सचेंज पर खरीदा या बेचा जाएगा, जिसकी कोई तय न्यूनतम आवेदन राशि नहीं है। दूसरी ओर, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेंटर लॉन्ग शॉर्ट फंड और यूटीआई

हेल्थकेयर इंडेक्स फंड शामिल हैं। हालांकि, अभी इनमें निवेश शुरू नहीं हुआ है और सेबी की मंजूरी तथा शर्तों में बदलाव की संभावना बनी हुई है। इन फंड्स में न्यूनतम निवेश राशि अलग-अलग है। चौंस म्युचुअल फंड में न्यूनतम 1,000 रुपए एसआईपी से निवेश शुरू हो सकेगा। वहीं, यूटीआई निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स फंड में 1,000 रुपए एकमुश्त और मासिक एसआईपी के लिए 500 रुपए का निवेश करना होगा। मोतीलाल ओसवाल निफ्टी पीएसयू बैंक इटीएफ को स्टॉक की तरह एक्सचेंज पर खरीदा या बेचा जाएगा, जिसकी कोई तय न्यूनतम आवेदन राशि नहीं है। दूसरी ओर, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेंटर



लॉन्ग शॉर्ट फंड में सामान्य निवेशकों के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए का निवेश अनिवार्य है, जिसमें एसआईपी के तहत भी कुल निवेश 10 लाख रुपए होना जरूरी होगा। इन स्कीम्स की निवेश रणनीतियां भी भिन्न हैं। मोतीलाल ओसवाल और यूटीआई के इंडेक्स फंड निष्क्रिय रूप से क्रमशः निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर सूचकांकों में

शामिल शेयरों को ट्रैक करेंगे। चौंस लार्ज एंड मिड कैप फंड सक्रिय तरीके से वृद्धि की उच्च संभावना वाली लार्ज और मिड कैप कंपनियों के शेयरों में निवेश करेगा। जबकि, अल्टीवा एक्टिव एसेट एलोकेंटर लॉन्ग शॉर्ट फंड बाजार की स्थिति के अनुसार इक्रिटी, डेट, डेरिवेटिव्स और अन्य साधनों में लचीले ढंग से निवेश कर सकता है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने फिर बढ़ाए डि्टर्जेंट के दाम

व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों पर 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में बढ़ती महंगाई के बीच हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने आम उपभोक्ताओं को एक और झटका दिया है। कंपनी ने अक्टूबर में अपने लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स व्हील, सर्फ एक्सेल और रिन के कई पैकेटों की कीमतों में फिर से इजाफा कर दिया है। कंपनी ने विभिन्न उत्पादों की कीमतों में 2.2 फीसदी से 7.1 फीसदी तक की वृद्धि की है। गौरतलब है कि कई उत्पादों के दाम इस साल यह दूसरी से चौथी बार बढ़ाए गए हैं। उदाहरण के लिए, व्हील पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 90 रुपये के बजाय 93 रुपये का हो गया है, जबकि सर्फ एक्सेल ईजी वॉश का 1 किलो पैकेट 167 रुपये से बढ़कर 172 रुपये का हो गया है। वहीं रिन पाउडर का 1 किलो पैकेट अब 120 रुपये की जगह 123 रुपये में मिलेगा। इन उत्पादों की बढ़ती कीमतें सीधे तौर पर आम परिवारों के मासिक बजट पर बोझ डालेंगी, खासकर उन पर जो नियमित रूप से बड़े पैक खरीदते हैं। इस लगातार हो रही वृद्धि की मुख्य वजह कच्चे माल और पैकेजिंग की लागत में बढ़ोतरी है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में करदाताओं को राहत की उम्मीद



नई दिल्ली ।

जीएसटी परिषद की बैठक में करदाताओं के लिए जीएसटी प्रणाली को सरल और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में कर दरों में बड़े बदलाव की संभावना कम है, बल्कि प्रशासनिक बोझ को कम करने, कागजी कार्रवाई घटाने और रिफंड व इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी जटिलताओं को दूर करने के प्रस्तावों पर चर्चा होगी। नौ महीनों के विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए ये प्रस्ताव जीएसटी को तकनीक आधारित और अधिक कुशल बनाने की दिशा में अहम हैं, जिस से पीडब्ल्यूसी इंडिया के प्रशांत अग्रवाल जीएसटी 2.0 का दूसरा चरण मान रहे हैं। बैठक में कई महत्वपूर्ण सुधारों पर मुहर लग सकती है। अपराधिक मुकदमा शुरू करने की सीमा 1 करोड़

रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव है, जिससे छोटे करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही, जीएसटी अधिकारियों के सीधे गिरफ्तारी के अधिकार को हटाने और इसके लिए न्यायिक अनुमति को अनिवार्य बनाने पर भी विचार हो सकता है, जिससे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह 98-99 फीसदी ईमानदार करदाताओं पर से गैर-जरूरी सख्ती का बोझ कम करेगा। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से जुड़ी कई महत्वपूर्ण राहतें भी प्रस्तावित हैं, जिनमें सप्लायर की गलती पर ईमानदार खरीदारों को सुरक्षा देना और कुछ कारोबारी खर्चों (जैसे मोटर वाहन, समूह बीमा) पर आईटीसी की सुविधा बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, रिफंड प्रक्रिया को तकनीक के माध्यम से तेज करने पर भी जोर दिया जाएगा, जिससे खासकर निर्यातकों को उनकी पूंजी जल्द वापस मिल सके। ईवाई इंडिया के समीर गुप्ता के अनुसार, ये कदम जीएसटी के अगले चरण में अटके टैक्स क्रेडिट, दरों के अंतर और समय पर रिफंड जैसी समस्याओं को दूर कर प्रणाली को कारोबारी हितेषी बनाएंगे।

'मेरी जिम्मेदारी ली है'

अभिषेक बच्चन ने शाह रुख खान को बताया 'बड़ा भाई', किंग को लेकर खोला राज

महानायक अमिताभ बच्चन के बेटे और एक्टर अभिषेक बच्चन को भला कौन नहीं जानता। लंबे समय से अभिषेक अपनी अपकमिंग फिल्म किंग को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसमें वह सुपरस्टार शाह रुख खान के साथ नजर आएंगे। खबर है कि किंग में अभिषेक बच्चन नेगेटिव रोल प्ले करते दिखेंगे। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जूनियर बी ने ये खुलासा किया है कि शाह रुख खान ने व्यक्तिगत तौर पर कई बार उनके करियर की जिम्मेदारी ली है। किंग से पहले अभिषेक बच्चन बतौर एक्टर शाह रुख खान के साथ कभी अलविदा न कहना और हैप्पी न्यू ईयर जैसी मूवीज में काम करते हुए नजर आ चुके हैं। आने वाले समय में ये दोनों कलाकार निर्देशक सिद्धार्थ



आनंद की किंग में स्क्रीन शेयर करते हुए दिखेंगे। हाल ही में अभिषेक ने बीबीसी को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में शाह रुख खान को अपने दिल की बात कही है और बताया है-

शाह रुख खान मेरे बड़े भाई जैसे हैं। सच बताऊं तो मेरे करियर में कई बार उन्होंने व्यक्तिगत जिम्मेदारी ली है, जिसमें अब 'किंग' का नाम भी शामिल होता है। एक्टिंग

करियर की शुरुआत से पहले शाह रुख खान के साथ मेरे एक खास बातचीत हुई थी जब मैंने उनसे पूछा कि उनकी पसंदीदा फिल्म कौन सी है। तब उन्होंने (शाहरुख खान) जवाब दिया था कि मेरी पसंदीदा फिल्म वह है जिस पर मैं अभी काम कर रहा हूँ। क्योंकि अगर वह मेरी पसंदीदा फिल्म नहीं है, तो मैं उसे क्यों कर रहा हूँ। ये सलाह मेरे काफी आई है और इसलिए मैं अभी जो कर रहा हूँ, वही मेरी पसंदीदा फिल्म होनी चाहिए। जो हो चुका है, वह बीत चुका है। मैं उसके बारे में नहीं सोचता। अभी 'किंग' ही मेरी पसंदीदा फिल्म है।

कब रिलीज की जाएगी किंग
बात की जाए अभिषेक बच्चन और शाह रुख खान की बहुचर्चित फिल्म किंग की रिलीज डेट के बारे में तो इसके पुष्टि मेकर्स की तरफ से पहले ही कर दी गई है। जिसके आधार पर इस साल के अंत में 24 दिसंबर 2026 को किंग को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा।

करिना कपूर के शो पर पहुंचीं कृति सेनन

रक्षाबंधन जीवा विवाद पर किया रिएक्ट-'मेरी चोली नेशनल डिबेट बन गई थी'

रक्षाबंधन के मौके पर कृति सेनन का एक ऐड विवादों में घिरा हुआ था। उसमें कृति के कपड़ों पर ऐसा विवाद छिड़ा कि कंपनी को अपना विज्ञापन वापस लेना पड़ा। हाल ही में कृति सेनन ने करिना कपूर के चैट शो 'व्हाट वीमेन वॉन्ट' पर शिरकत की। करिना संग बातचीत में कृति ने बताया कि उन्हें बिल्कुल भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनका कपड़ा नेशनल डिस्कशन का टॉपिक बन गया था। इस बारे में खुलकर बात करते हुए कृति कहती हैं कि वो हैरान रह गई थीं। इस ऐड में कृति के आउटफिट से लेकर त्योहार मनाने के तरीके तक पर सवाल उठाए गए थे। अब एक्ट्रेस ने इस पूरे विवाद पर खुलकर बात की है। करिना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट वुमन वॉन्ट' के सीजन 6 में पहुंचीं कृति ने बताया कि उन्हें बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि उनके कपड़ों को लेकर इतनी बड़ी बहस छिड़ जाएगी।

करिना कपूर खान से बातचीत के दौरान कृति सेनन ने इस विवाद को याद करते हुए कहा कि वो शॉक में थीं। इसपर कृति ने लिखा, 'मैं यकीन नहीं कर पा रही थी। मेरी चोली प्राइम टाइम न्यूज पर 6 लोगों के पैनाल डिस्कशन का मुद्दा बन गई थी'। आई थीं। ऐड में वह अपने भाई और पालतू कुत्ते को राखी बांधकर त्योहार मनाती दिखाई दी थीं। हालांकि, विज्ञापन सामाने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों के बीच बहस शुरू हो गई। कुछ यूजर्स ने उनके कपड़ों को पारंपरिक त्योहार के हिसाब से अनुचित बताया, तो कुछ ने विज्ञापन में रक्षाबंधन को दिखाने के तरीके पर सवाल उठाए। पालतू कुत्ते को राखी बांधने और पारंपरिक रीति-रिवाजों की कथित कमी को लेकर भी आलोचना हुई। कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर इस पूरे विवाद पर अपना रिएक्शन भी दिया था। उन्होंने कहा था कि कोई महिला क्या पहनती है और क्या नहीं ये किसी डिस्कशन का विषय नहीं होना चाहिए। ये उसका निजी फैसला है।

वायरल वीडियो : जया बच्चन ने प्रदर्शन के दौरान रिपोर्टर का माइक हटाया

सोशल मीडिया पर मचा बवाल



सोशल मीडिया पर प्रदर्शन से जुड़ा एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में जया बच्चन एक रिपोर्टर के माइक को हटाती

हुई नजर आ रही हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। दरअसल, जया बच्चन दिल्ली में इंडिया ब्लॉक के प्रदर्शन में शामिल हुई थीं। विपक्षी सांसद चुनाव आयोग के दफ्तर की ओर मार्च कर रहे थे। इस प्रदर्शन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही थी। इसी दौरान संसद मार्ग के पास जया बच्चन रिपोर्टर्स के बीच नजर आईं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक पत्रकार जया बच्चन से प्रदर्शन में लगे एक पोस्टर को लेकर सवाल करने की कोशिश करता है।

इसी दौरान जया बच्चन रिपोर्टर के माइक को हाथ से हटाती हुई नजर आती हैं और सवाल का जवाब नहीं देतीं। उनका यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। जया बच्चन का यह वीडियो सामने आने के बाद कई सोशल मीडिया यूजर्स उनकी इस हरकत पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ लोगों ने इसे मीडिया के साथ उनके पुराने विवादों से जोड़कर भी देखा।

जया बच्चन पहले भी फोटोग्राफर्स और पैंपराजी के साथ अपने व्यवहार को लेकर चर्चा में रही हैं। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी तनावपूर्ण था और पुलिस ने विपक्षी नेताओं को बैरिकेडिंग के जरिए रोक रखा था। ऐसे में वीडियो में दिखे कुछ सेकेंड के आधार पर पूरे मामले को देखना सही नहीं होगा।

कियारा आडवाणी: 35 साल की उम्र में दूसरी बार मां बनेंगी अभिनेत्री

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर एक बार फिर नन्हे मेहमान की किलकारी गूंजने वाली है। कपल ने बुधवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इस बात की जानकारी सभी के साथ शेयर की। पोस्ट सामने आते ही फैस और बॉलीवुड सेलेब्स कपल को जमकर बधाई दे रहे हैं। कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक जॉइंट पोस्ट शेयर किया।

पोस्ट में एक तस्वीर दिखाई दे रही है, जिसमें कपल के हाथ पर एक छोटे से बच्चे के सॉक्स रखे हैं और उनकी बेटी सराया ने भी उसे पकड़ रखा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला है। हमारा दिल प्यार और शुक्रगुजार से भरा हुआ है।'



सितारों ने दी कपल को बधाई

कियारा और सिद्धार्थ के पोस्ट पर रकुलप्रीत सिंह ने लिखा, 'वाह, यह बहुत अच्छी खबर है।' इनके अलावा करण जोहर, परिणीति चोपड़ा, अथिया शेठी, भूमि पेडनेकर, करिना कपूर और मसबा गुप्ता समेत कई हस्तियों ने बधाई देते हुए अपना प्यार लुटाया।

2025 में दिया था बेटी सराया को जन्म

बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने शादी के लगभग दो साल बाद जुलाई 2025 में बेटी सराया मल्होत्रा का स्वागत किया था। अब सराया के जन्म के डेढ़ साल बाद यह कपल फिर माता-पिता बनने वाले हैं।

सलमान ने सिद्धार्थ से कही थी ये बात

कुछ समय पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा 'बिग बॉस 20' के वीकेंड का वार एपिसोड में अपनी फिल्म 'द वन' को प्रमोट करने पहुंचे थे। उस दौरान अभिनेता ने सलमान खान के साथ पिता बनने के अनुभव को शेयर किया था। सिद्धार्थ ने कहा था कि पिता बनना उनके लिए सबसे बेहतरीन रोल है।

कुनिका सदानंद की मां कल्याणी का निधन 83 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा, एक्ट्रेस ने लिखा इमोशनल पोस्ट



बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस कुनिका सदानंद के सिर से मां का साया उठ गया है। उनकी मां कल्याणी सदानंद का 83 साल की उम्र में गोवा में निधन हो गया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी मां की एक श्रवैक तस्वीर शेयर करते हुए इस दुखद खबर की पुष्टि की। दरअसल अपनी मां कल्याणी सदानंद के निधन के बाद एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने सोशल मीडिया पर एक दिल को छू लेने वाला और इमोशनल नोट शेयर किया है। अपनी मां को याद करते हुए कुनिका ने अपनी पोस्ट में लिखा: 'मेरी मम्मा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूँ।



आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, वह प्यार, मार्गदर्शन, सपने देखने और दुनिया का सामना करने का हौसला, लुक्स, पर्सनालिटी और जिंदगी में मिलने वाले हर मोड़ को सहने की ताकत। उन सभी चीजों के लिए धन्यवाद। मेरी डार्लिंग कल्याणी सदानंद, आप उन सभी लोगों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगी, जिन्हें आपने छुआ है।' कुनिका ने इस पोस्ट में आगे लिखा- 'दोस्त और परिवार वाले आपको एक ऐसी मजाकिया, हंसमुख और मिलनसार इंसान के तौर पर याद करते हैं। जिनके पास हमेशा शेयर करने के लिए कुछ प्यार और अक्लमंदी भरा होता था।

मुझे यकीन है कि आप अपने भाई-बहनों और खास से मिलकर बहुत खुश होंगी। रैस्ट इन पीस मेरी मम्मा, आपने एक पत्नी, मां, बहन, नानी और अपनी जिंदगी के तमाम रिश्तों की हर जिम्मेदारी को पूरे प्यार और देखभाल के साथ निभाया।' रिपोर्टर्स के मुताबिक, कल्याणी सदानंद का अंतिम संस्कार गोवा में किया जाएगा। जबकि बाकी की धार्मिक रस्में और प्रार्थना सभा बाद में मुंबई में आयोजित की जाएगी। सोशल मीडिया पर खबर सामने आते ही फैस और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लोगों ने कमेंट सेक्शन में शोक व्यक्त करते हुए "आम शांति" लिखा है।

कल राजशेखर... आज विजयशांति !



एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण (बालैया) और

असल में बालैया के साथ... शिवरय्या, आप क्या कर रहे हैं?

डायरेक्टर कोयताला शिवा के कॉम्बिनेशन में एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट आ रहा है। इस फिल्म से जुड़ी पूजा की रस्में पहले ही धूमधाम से पूरी हो चुकी हैं। फैस इस जबरदस्त प्रोजेक्ट की रेगुलर शूटिंग का इंतजार कर रहे हैं, जो दिसंबर से शुरू होने की उम्मीद है। पहले कुछ सीन बिना बच्चों के शूट किए जाएंगे, फिर सेट पर काम होगा। शूटिंग की शुरुआत एक्शन सीक्वेंस के साथ होगी। इसके लिए हैदराबाद में एक बहुत बड़ा सेट भी बनाया जा रहा है। बालैया का एक नया लुक और उनकी बॉडी लैंग्वेज के हिसाब से इस एक्शन सीन को डिज़ाइन करने की बात चल रही है।

साथ ही, ऐसा लगता है कि इस फिल्म में एक सीनियर एक्ट्रेस भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। सीनियर एक्ट्रेस विजयशांति इस फिल्म में एक दमदार रोल में दिखेंगी। खासकर अहम प्लेसिबैक सीन में वह एक दबंग पुलिस ऑफिसर के तौर पर नजर आएंगी। खबर है कि

वह इसमें एक्टिंग करेंगी। फिल्म के कुछ हिस्सों में बालैया और विजयशांति के सीन फिल्म की खासियत (हाइलाइट) होंगे। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बालैया और विजयशांति की जोड़ी टॉलीवुड की सबसे सफल जोड़ियों में से एक रही है। दोनों ने लगभग 17 फिल्मों में साथ काम किया है।

उनका सफर 1984 में रिलीज हुई फिल्म 'कथनायकडू' से शुरू हुआ।।। और फिर 'पुदु कृष्णय्या', 'देशोद्धारकुडु', 'अपूर्व सहोदरलु', 'मुल्ल गोपालुडु', 'भानुमती गारी मोगुडु', 'इस्पेक्टर प्रताप', 'भाले डॉन', 'राउडी इस्पेक्टर' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों के साथ उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड बनाए। 1993 की फिल्म 'निपुल्व' के बाद यह जोड़ी फिर कभी साथ नहीं दिखी। अब लगभग 33 साल के गैप के बाद, बालैया और विजयशांति फिर से एक ही फिल्म में काम करने जा रहे हैं।



मुश्किल क्यों न हो, प्रेमानंद महाराज लोगों को

किशोरी जी के नाम तक ले जाने वाले संत थे और रहेंगे। उन्होंने उनके समर्थन में सूर्य और बादलों का उदाहरण देते हुए कहा कि 'कुछ समय के लिए बादल सूरज को ढक सकते हैं, लेकिन उसकी रोशनी खत्म नहीं होती'। वीडियो में आगे कहा गया कि कुछ लोगों के कहने से किसी संत की महत्व खत्म नहीं हो जाती। कथावाचक ने यह भी कहा कि प्रेमानंद महाराज ने लोगों से खुद को फॉलो करने के बजाय किशोरी जी के नाम का जाप करने और भक्ति के रास्ते पर चलने की बात कही। प्रियंका ने इस वीडियो के अलावा एक और क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा था कि वो लोग किसी का बुरा नहीं सोचते, उनके साथ भी कई बार बुरा होता है। उन्होंने इसके साथ यह भी लिखा कि अब उनसे यह न पूछा जाए कि उन्हें यह बात कैसे पता है। इस पोस्ट को भी लोग मौजूदा विवाद से जोड़कर देख रहे हैं।

'ना पति, ना बॉयफ्रेंड'

नए प्रोजेक्ट के लिए विदेश रवाना होने से पहले कश्मीरा ने गोविंदा की 'गलफ्रेंड' पर कसा तंज



कश्मीरा शाह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वायरल वीडियो में कश्मीरा शाह ने कुछ ऐसा कहा जिसके बाद लोग कह रहे हैं कि कश्मीरा शाह ने गोविंदा की कथित गलफ्रेंड कोमल रानी पर तंज कसा है। उन्होंने बताया कि वो एक नए प्रोजेक्ट पर ग्रीस जा रही हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को न तो उनके बॉयफ्रेंड न उनके पति ने इस प्रोजेक्ट को फाइनेंस किया है। इंस्टेंटबॉलीवुड ने कश्मीरा शाह की ये वीडियो शेयर की है। इस वीडियो में कश्मीरा शाह पैपस से बात करती नजर आ रही हैं कि वो ग्रीस एक नए प्रोजेक्ट पर जा रही हैं।

इसी के साथ उन्होंने कहा, "खास बात ये है कि ये प्रोजेक्ट स्वतंत्र है, ना मेरे पति ने फाइनेंस किया, ना किसी बॉयफ्रेंड ने।" कश्मीरा शाह ये बोलने के बाद जोर से हंसती नजर आईं। इसी वीडियो में कश्मीरा शाह ने कहा- हम बाहर की फिल्में करते हैं, घर की नहीं करते हैं। फिर कश्मीरा ने किसी को आवाज देकर बुलाया और कहा- आ जा, इससे पहले मैं कुछ और बोल दूँ। कश्मीरा शाह के इस पोस्ट पर बहुत सारे यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा- बहुत अच्छा लग रहा है जिस तरह से कश्मीरा शाह अपनी मामी सास के लिए खड़ी हो रही हैं। एक दूसरे यूजर ने लिखा- भाई ये बंदी हमेशा से ही सच बोलती है। एक ने कहा- कश्मीरा शाह और महिला शक्ति को सलाम। इसी के साथ बहुत सारे यूजर्स ने हाट और फायर इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।



को 'स्पोकन इंग्लिश' सिखाती हैं।